राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार , 16 मार्च 2026

वर्ष 14,अंक 324, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

लखनऊ पूर्वी जोन पुलिस की सघन बैंक चेकिंग, सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा...03

रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने के विरोध में आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शनं....04

एक्साइज पॉलिसी केसः केजरीवाल को हाईकोर्ट से झटका, केस ट्रांसफर की अर्जी खारिज, जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ही करेंगी सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हाईकोर्ट से झटका लगा है. कोर्ट ने उनकी CBI के एक्साइज पॉलिसी केस को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से दूसरी बेंच को ट्रांसफर करने की अर्जी को खारिज कर दिया है. केजरीवाल ने इस केस को किसी दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने की मांग की थी।

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा है कि CBI की याचिका मौजूदा रोस्टर के हिसाब से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को दी गई है. उन्होंने कहा कि केस से अलग होने की किसी भी रिक्वेस्ट पर संबंधित जज को ही विचार करना होगा. कोर्ट ने कहा कि हालांकि, मुझे एडमिनिस्ट्रेटिव साइड से ऑर्डर पास करके पिटीशन को ट्रांसफर करने का कोई कारण नहीं दिखता।

केजरीवाल ने ट्रांसफर करने की मांग की थी

दरअसल अरविंद केजरीवाल ने ट्रायल कोर्ट द्वारा 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती देने वाली CBI की क्रिमिनल पिटीशन को ट्रांसफर करने की मांग की थी. केजरीवाल इस मामले में रेस्पोंडेंट में से एक हैं. CBI की याचिका पर 9 मार्च को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट में सुनवाई हुई थी।

बरी किए गए सभी 23 लोगों को नोटिस

उन्होंने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ CBI की दलीलें सुनने के बाद आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत शराब नीति मामले में बरी किए गए सभी 23 लोगों को नोटिस जारी किया था. इसके साथ ही मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च तय की थी. सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि शराब नीति मामले में AAP नेताओं केजरीवाल, सिसोदिया और दूसरे सभी आरोपियों को बरी करते समय गवाहों और अप्रूवर के बयानों के बारे में ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियां, चार्ज स्टेज पर, पहली नज़र में गलत हैं और उन पर विचार करने की ज़रूरत है. वहीं अरविंद केजरीवाल ने अपनी अर्जी में कहा था कि 9 मार्च के ऑर्डर में ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों में खास गड़बड़ी के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है. संबंधित बेंच ने एक्साइज पॉलिसी केस से जुड़े कई मामलों पर पहले ही फैसला कर लिया है, जिसमें पहली नजर में टिप्पणियां दर्ज की गई हैं और आरोपियों द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया गया है।

केजरीवाल ने अर्जी में क्या कहा

अर्जी में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को राहत दी है. उन्होंने कहा कि उनकी दलील किसी निजी पसंद पर आधारित नहीं है, बल्कि सिर्फ एक निष्पक्ष और जानकार लिटिगेंट के मन में एक वाजिब आशंका को परखने के लिए है. इसलिए गंभीर, सच्ची और वाजिब आशंका के आधार पर ट्रांसफर की मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और न्यूट्रैलिटी वाली सुनवाई नहीं हो सकती है।

राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला

27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने पाया था कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आरोप सह-आरोपी या गवाहों के बयानों पर आधारित थे, लेकिन उन्हें किसी भी आपराधिक साजिश से जोड़ने वाला कोई स्वतंत्र सबूत नहीं था. इसके अलावा, ट्रायल कोर्ट ने यह भी देखा कि CBI ने लंबे समय तक सरकारी गवाह के बयानों को बार-बार दोबारा रिकॉर्ड किया, जाहिर तौर पर कमियों को भरने, सरकारी वकील की कहानी को बेहतर बनाने, और आरोपियों को फंसाने, या हालात की चेन में गायब कड़ियों को बनावटी ढंग से जोड़ने के लिए।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कही ये बात

9 मार्च को CBI की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा था कि आरोप लगाने के स्टेज पर ही, गवाहों और अप्रूवर के

बयानों के बारे में ट्रायल कोर्ट की कही गई कुछ बातें पहली नज़र में गलत लगती हैं और उन पर विचार करने की ज़रूरत है।

कोर्ट ने यह भी कहा था कि CBIइन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणी कि उन्होंने गलत जांच करने के लिए अपने ऑफिशियल पद का गलत इस्तेमाल किया, पहली नज़र में पूरी तरह से गलत है, खासकर जब यह आरोप लगाने के स्टेज पर की गई हो. इन बातों को देखते हुए, कोर्ट ने इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी थी, जिसमें उनके खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन की सिफारिश करने का निर्देश भी शामिल था.

इस बीच कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से, जहां मनी लॉन्ड्रिंग की कार्रवाई पेंडिंग है, कहा की कि वह केस को हाई कोर्ट के सामने तय तारीख के बाद की तारीख तक टाल दे और CBI की अर्जी के नतीजे का इंतजार करे।

इन लोगों को किया गया था बरी

दरअसल दिल्ली की आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े CBI मामले में स्पेशल जज जीतेन्द्र सिंह ने 27 फरवरी को सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया, जिनमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और के कविता के साथ आरोपी नंबर 1 कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण पिल्लई, मूथा गौतम, समीर महेंद्रू, अमनदीप सिंह ढल्ल, अर्जुन पांडे, बुच्ची बाबू गोरंटला, राजेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद कुमार सिंह, चनप्रीत सिंह, दुर्गेश पाठक, अमित अरोड़ा, विनोद चौहान, आशीष चंद माथुर और सरथ रेड्डी शामिल हैं।

ट्रायल कोर्ट ने कड़े शब्दों में जांच में कमियों के लिए CBI को फटकार लगाई थी और कहा था कि चार्जशीट में कई कमियां हैं जिनका किसी गवाह या बयान से कोई सबूत नहीं है. CBI मनीष सिसोदिया के खिलाफ पहली नज़र में कोई केस बनाने में नाकाम रही. स्पेशल CBI जज ने कहा था कि केजरीवाल को बिना किसी ठोस सबूत के फंसाया गया.आबकारी नीति में कथित घोटाले मामले में मनीष सिसोदिया तकरीबन 530 दिनों तक जेल में रहे. वहीं अरविंद केजरीवाल ने दो बार में तकरीबन 156 दिन जेल में बिताए।

क्या है मामला?

दिल्ली सरकार ने 2021 में रेवेन्यू बढ़ाने और शराब के व्यापार में सुधार के लिए एक्साइज़ पॉलिसी बनाई थी, जिसे बाद में लागू करने में गड़बड़ियों के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया गया था. लेफ्टिनेंट-गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने पॉलिसी की जांच CBI से कराने के आदेश दिए थे।

जांच के दौरान E D और CBI ने दावा किया कि इस एक्साइज पॉलिसी का इस्तेमाल जो दिल्ली में शराब के व्यापार को पूरी तरह से प्राइवेट करने की कोशिश कर रही थी सरकारी खजाने की कीमत पर प्राइवेट कंपनियों को गलत फायदा पहुंचाने के लिए किया गया और इसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है।

मनीष सिसोदिया को सबसे पहले CBI ने एक्साइज पॉलिसी से जुड़े एक मामले में 26 फरवरी, 2023 को और बाद में श्रष्ठ ने 9 मार्च, 2023 को गिरफ्तार किया था. CBI द्वारा दर्ज की गई FIR में, मनीष सिसोदिया और अन्य पर 2021-22 की एक्साइज पॉलिसी के बारे में सिफारिश करने और फैसले लेन में अहम भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है, 'बिना किसी सक्षम अथॉरिटी की मंजूरी के, जिसका मकसद टेंडर के बाद लाइसेंसी को गलत फायदा पहुंचाना था'. एजेंसी ने यह भी दावा किया कि AAP नेता को इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि उन्होंने सबूतों के सामने आने के बावजूद गोलमोल जवाब दिए और जांच में सहयोग करने से इनकार कर दिया।

सिद्धार्थनगर में कार- बाइक की टककर में दंपति की मौत, ड्राइवर फरार

सिद्धार्थनगर- जिले के जोगिया थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार दंपती की मौत हो गई। हादसे के बाद कार सड़क किनारे पलट गई, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। यह हादसा सूपा चौराहा के पास रविवार दोपहर में हुई। बाइक सवार दंपती सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को संभालकर एम्बुलेंस की मदद से माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बांसी थाना क्षेत्र के भावपुर गांव निवासी महेंद्र मिश्रा (50) और उनकी पत्नी सरिता मिश्रा (48)के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दंपती किसी काम से जोगिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कटेया बाइक से आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे कार सड़क किनारे पलट गई। इसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही जोगिया कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार व बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

'नेहरू के दौर में होते कांशीराम तो वो तय करते कौन बनेगा P M', राहुल के बयान पर आकाश आनंद का पलटवार

राजस्थान के भरतपुर में बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती पर बीएसपी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोला. राहुल गांधी के बयान का जिक्र करते हुए आकाश आनंद ने कहा कि अगर कांशीराम नेहरू के जमाने में होते तो वो शायद नेहरू को प्रधानमंत्री बनवाने की ताकत रखते. कांशीराम वो हैं, जिन्होंने पीएम और सीएम बनवाये हैं और खुद कभी पद का लालच नहीं किया. आकाश आनंद ने कहा कि आज राहुल गांधी कोई भी ऐसा मौका नहीं छोड़ते हैं, जब हमारे समाज को टटोलने की कोशिश नहीं करते हैं. आज वो कसम खाते हैं कि अगर कांशीराम नेहरू के समय में होते तो उन्हें नेहरू मुख्यमंत्री बनाते. जब मैं उनका ऐसा बयान सुनता हूं तो मैं पहले उनसे पूछना चाहूंगा और बताना भी चाहूंगा कि राहुल गांधी जो आप कह रहे हैं कि अगर कांशीराम नेहरू के समय में होते तो आप उन्हें मुख्यमंत्री बनाते।

कांशीराम ने सीएम और पीएम बनाए

आकाश आनंद ने कहा कि लेकिन हकीकत यह है कि कांशीराम वो हैं, जो इस समाज को उठाया, जगाया, बाबा साहेब की सीखों को घर-घर लेकर गए और वो ऐसे नेता थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाए हैं. उन्होंने कहा कि अगर कांशीराम नेहरू के समय में होते तो वो नेहरू को प्रधानमंत्री बनाने की ताकत जरूर रखते, न कि आपके नेहरू हमारे कांशीराम को मुख्यमंत्री बनाते।

कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक क्यों नहीं?

आकाश आनंद ने कांग्रेस से सवाल पूछते हुए कहा कि आपकी कांग्रेस पार्टी पूरी सत्ता में थी और आपकी सरकार थी, लेकिन जब कांशीराम का देहांत हुआ तो क्यों एक दिन भी आपने राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया और आज उनकी पार्टी, उनके लोगों और कांशीराम को सम्मान देने की बात करते हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल हमारे समाज के लोगों का शोषण करती आई है. आज जब चुनाव सिर पर है, तो हमारे कांशीराम उन्हें याद आ रहे हैं. आज उन्हें हमारी पार्टी याद आ रही है. आज उन्हें अपना सम्मान याद आ रहा है।

गैस का विकल्प बने इंडक्शन, सीतापुर में डेढ़ गुणा बढ़ी बिजली की खपत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। गैस की किल्लत के बीच इंडक्शन चूल्हे का प्रयोग बढ़ गया है। अधिकांश लोग गैस पर सिर्फ रोटी ही पका रहे हैं। शेष व्यंजनों को पकाने में इंडक्शन का उपयोग कर रहे हैं। पिछले चार दिनों में बिजली खपत में डेढ़ गुणा की बढ़ोतरी हो गई है। दस मार्च को जहां 40 मेगावाट खपत थी। वहीं, अब 55 मेगावाट हो रही है। बढ़ गई खपत को लेकर विभागीय अधिकारियों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंचने लगी हैं। ओवरलोड फीडरों के प्रबंधन को लेकर अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है।

एक वर्ष पहले 35 मेगावाट थी मांग

पारेषण खंड के 220 केवी बिजली उपकेंद्र पर वर्ष 2025 में 10 से 14 मार्च के मध्य 35 से 38 मेगावाट बिजली की खपत थी। जबकि इस वर्ष 40 से 55 मेगावाट पहुंच गया है। यहां से वितरण खंड के उपकेंद्रों को बिजली आपूर्ति दी जा रही है। यहां पर कुल 143 मेगावाट बिजली आपूर्ति विभाग की क्षमता है।

बिजली लाइन में आने लगी फाल्ट

अचानक बढ़ी मांग से बिजली लाइन में फाल्ट आने लगी है। शुक्रवार को सिटी वन फीडर जाने वाली हाईटेंशन बिजली लाइन का जंफर कट गया। बताया जा रहा है। इस फीडर पर सामान्य दिन में एक बिजली फीडर पर 50 से 60 एंपियर बिजली का लोड था। शुक्रवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब 80 से 90 एंपियर लोड पहुंच गया है। जिसके चलते जंफर कट गया था।

मूर्ति बनाना छोड़, मिट्टी के बड़े-बड़े चूल्हे बना रहे मूर्तिकार... दरभंगा में LPG संकट का मिल गया तोड़, कुम्हारों ने निकाला 'देसी जुगाड़'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का सीधा असर घरेलू एवं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर पड़ा है. जिस कारण अब रेस्टोरेंट और होटल बंद होने भी लगे है. इस दौरान बिहार के दरभंगा में मूर्ति बनाने वाले कुम्हार होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के लिए मिट्टी के बड़े-बड़े चूल्हे बनाने में लग गए हैं. कुम्हार मूर्ति बनाना छोड़कर मोबिल ऑयल वाले बड़े-बड़े ड्रम में मिट्टी के चूल्हे बना रहे हैं, जिसकी कीमत 4000 से लेकर 5000 तक बताई जा रही है, अब रेस्टोरेंट संचालक अपने व्यवसाय को बचाने और होटल चलाने के लिए ऑर्डर देकर ड्रम वाला मिट्टी का चूल्हा बनवा रहे हैं. बता दें कि दरभंगा में रेस्टोरेंट, होटल व्यवसाय और स्कूलों में मिड-डे-मील के लिए कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरीके से बंद है. काफी होटल संचालकों ने अपने मैन्यू में कटौती भी कर ली है. कई संचालकों का कहना है कि जो हमारा परमानेंट स्टाफ है, उनका तनख्वाह तो देना ही पड़ेगी. इसी के चलते वे लोग एलपीजी सिलेंडर की जगह वैकल्पिक व्यवस्था तलाश रहे हैं।

कुम्हार बना रहे बड़े-बड़े चूल्हे

वैकल्पिक व्यवस्था के लिए मिट्टी के बड़े-बड़े चूल्हे तैयार करवाए जा रहे हैं, जिन्हें कोयला या फिर लकड़ी से जलाया जा सके. इसका ऑर्डर देकर बनवा रहे हैं. रेस्टोरेंट संचालक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि कमर्शियल सिलेंडर मिलना पूरी तरीके से बंद हो गया है. होटल चलाना मुश्किल हो गया है. सरकार का कमर्शियल सिलेंडर को लेकर कोई साफ निर्देश नहीं मिलने से काफ़ी परेशानी बनी हुई है. हम लोग को जानकारी मिली की ड्रम में बड़े-बड़े चूल्हे कुम्हार बना रहे हैं।

जानें क्या है कीमत

हम भी उत्सुकता के कारण चूल्हे देखने आए थे. हमने भी एक चूल्हे का ऑर्डर दिया है, जिसकी कीमत 4500 रुपये है. होटल और स्टाफ के खर्च को किसी तरह संभालने की कोशिश की जा रही है, लेकिन एलपीजी सिलेंडर नहीं मिलने से होटल व्यवसाय काफी प्रभावित हो रहा है. वहीं, कुम्हार शंभू पंडित ने बताया की उन्हें आइडिया आया की अभी सिलेंडर को लेकर होटल वालों से लेकर आम आदमी तक सभी लोग परेशान हैं।

बड़े चूल्हे बनाने में कितनी आ रही लागत?

उन्होंने पहले एक ड्रम को कटवाकर चूल्हा बनाया तो एक रेस्टोरेंट संचालक उसे 5000 हजार रुपये में खरीदकर ले गया. उसके बाद लगातार लोग ऑडर देने आने लगे तो बड़े पैमाने पर चूल्हा का निर्माण करने लगे हैं. उन्होंने बताया की एक बड़े चूल्हे बनाने पर करीब 2500 से 2800 सौ रुपये की लागत आ रही है, जो कि 4000 से 5000 हजार के बीच आराम से बिक रहा है. एक दूसरे कुम्हार ने बताया कि प्रतिदिन तीन से चार छोटे-बड़े होटल वाले चूल्हे का ऑर्डर देने आ रहे हैं. जैसे-जैसे लोगों का सिलेंडर खत्म हो रहा है. लोग वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में कोयला और मिट्टी से जलने वाला चूल्हा खरीद कर ले जा रहे हैं।

तिहाड़ से छूटा, आसिम मुनीर की गोद में बैठा, पहलगाम में मचाई तबाही, सुधरने की बजाय बना मोस्ट वॉन्टेड टेररिस्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- दो दशक पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के हाथ लगे दो आतंकवादी अब एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा सिरदर्द बन गए हैं. ये दोनों तिहाड़ जेल में सजा काट कर रिहा हुए थे. जांच एजेंसियों के अनुसार, ये दोनों आतंकी अब लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के मोस्ट वांटेड ऑपरेटिव बन चुके हैं और भारत के खिलाफ आतंकी साजिशों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. खतरनाक बात यह है कि इनमें से एक लश?कर आतंकवादी पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार करने वाले आतंकी संगठन का सरगना है.

इस कहानी की शुरुआत 9 मई 2002 की एक रात से होती है. उस रात दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को खुफिया सूचना मिली थी कि राजधानी में बड़ा आतंकी हमला हो सकता है. खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने हुमायूं के मकबरे के पास और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन इलाके में विशेष निगरानी शुरू कर दी थी. मुंबई से आने वाली पंजाब मेल ट्रेन से उतर रहे यात्रियों की भीड़ के बीच पुलिस ने तीन संदिग्ध आतंकियों (सज्जाद, मेहराजुद्दीन और फिरोज) को गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के दौरान इनके पास से लगभग 5 किलो RDX, एक AK-47 राइफल, दो पिस्तौल, चार डेटोनेटर, प्लास्टिक विस्फोटक सामग्री और नकदी बरामद की गई थी।

दो पाकिस्तानी आतंकवादियों का एनकाउंटर

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आतंकियों ने पुलिस को पास में खड़ी एक मारुति कार के बारे में जानकारी दी, जिसमें दो पाकिस्तानी आतंकवादी उनका इंतजार कर रहे थे. इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की. उस समय के डीसीपी अशोक चंद, एसीपी राजबीर सिंह और इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की टीम ने मुठभेड़ में दोनों पाकिस्तानी आतंकियों (अबू बिलाल और अबू जाबीउल्लाह) को मार गिराया. इस मामले में गिरफ्तार सज्जाद और उसके सहयोगियों को अदालत ने दोषी ठहराते हुए तिहाड़ जेल भेज दिया था. लेकिन ठहरिए... यह कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।

पांच साल बाद...

करीब पांच साल बाद जुलाई 2007 में स्पेशल सेल को फिर सूचना मिली कि एक आतंकी ऑपरेटिव दिल्ली भेजा गया है. इसके बाद पुलिस ने शब्बीर अहमद लोन नामक आतंकी को गिरफ्तार किया. उसके पास से ग्रेनेड, हथियार, गोला-बारूद, 280 अमेरिकी डॉलर और एक लाख रुपये बरामद हुए थे. इसके बाद लगभग एक दशक तक सज्जाद और शब?बीर अहमद लोन तिहाड़ जेल में बंद रहे. दोनों की रिहाई 2018 और 2019 के आसपास हुई. जेल से बाहर आने के बाद इन दोनों की गतिविधियों ने सुरक्षा एजेंसियों को चौंका दिया।

एक पाकिस्तान तो दूसरा गया बांग्लादेश

जांच एजेंसियों के मुताबिक, रिहाई के बाद शब्बीर अहमद लोन पाकिस्तान भाग गया. वहां से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने उसे बांग्लादेश भेजा, जहां उसने एक नया आतंकी नेटवर्क खड़ा करना शुरू किया. हाल ही में उसके नेटवर्क के लोगों ने दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय AI शिखर सम्मेलन से पहले भड़काऊ पोस्टर चिपकाया था. इसके बाद जांच एजेंसियों के कान खड़े हो गए थे. सूत्रों के अनुसार, शब्बीर लोन इस समय बांग्लादेश में रहकर ISI के समर्थन और वित्तीय मदद से काम कर रहा है और उसका मुख्य लक्ष्य बांग्लादेशी युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलकर भारत के खिलाफ आतंकी साजिशों में शामिल करना है।

फिर बन गया पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड

दूसरी ओर, सज्जाद उर्फ शेख सज्जाद गुल भी पाकिस्तान पहुंच चुका है और अब लश्कर के प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) का प्रमुख ऑपरेटिव या सरगना माना जा रहा है. इसी संगठन को कई आतंकी हमलों के पीछे जिम्मेदार बताया गया है, जिनमें पहलगाम हमला भी शामिल है. इस अटैक में 27 पर्यटकों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी. 1974 में जन्मे सज्जाद ने कश्मीर में शुरुआती शिक्षा प्राप्त की थी. उसने श्रीनगर से BSc. की पढ़ाई की, इसके बाद केरल में लैब टेक्नीशियन का कोर्स किया और 1996 में बेंगलुरु में एमबीए की पढ़ाई शुरू की थी. बाद में उसने कश्मीर में एक डायग्नोस्टिक सेंटर भी खोला, लेकिन इसी दौरान वह लश्कर के लिए ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो गया।

आसिम मुनीर के गढ़ में सज्जाद का ठिकाना

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, पहलगाम हमले के बाद सज्जाद इस समय पाकिस्तान के रावलपिंडी में रह रहा है और उसे ह्रस्ट्ठ की सुरक्षा भी दी गई है. रावलपिंडी में ही पाकिस?तान आर्मी का मुख?यालय भी है, जहां आसिम मुनीर रहते हैं. भारतीय एजेंसियों ने सज्जाद और लोन दोनों को कैटेगरी-A का बेहद खतरनाक आतंकवादी घोषित किया है. दोनों पर भारी-भरकम इनाम घोषित किया गया है और इनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. अधिकारियों का कहना है कि इन दोनों आतंकियों की गतिविधियों पर करीबी नजर रखी जा रही है और भारत के खिलाफ किसी भी आतंकी साजिश को विफल करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां एकसाथ मिलकर लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

अमृतसर में हथियार-नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार, पाक कनेक्शन आया सामने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब के अमृतसर में कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. पुलिस ने सीमा पार से संचालित होने वाले हथियार और नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है. इस कार्रवाई में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से पिस्तौल, कारतूस के साथ ही काफी मात्रा में हेरोइन भी बरामद की गई है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल, 60 जिंदा कारतूस और 3.513 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है. पुलिस ने बताया कि बरामद की गई पिस्तौल PX 5.7×28 mm TISAS (टर्की सीरीज) की हैं. ये अत्यधिक आधुनिक और खतरनाक किस्म की हैं, जिनमें उच्च भेदन क्षमता है और ये स्वचालित फायर करने में सक्षम हैं।

पाकिस्तान के तस्करों और हैंडलरों से संपर्क

शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों और हैंडलरों के संपर्क में थे. जांच के दौरान पाकिस्तान आधारित आईएसआई (ISI)एजेंट शहजाद भट्टी का नाम भी सामने आया है, जो भारत में हथियारों और नशे की तस्करी का नेटवर्क चला रहा था. पुलिस के मुताबिक, शहजाद भट्टी का भारत में एक मजबूत लिंक था और इस नेटवर्क से जुड़ी अन्य खेपों की जांच जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान करण, गुरप्रीत उर्फ गोपी निवासी खेमकरण, मख्खनदीन, राकेश उर्फ केशू, जमकौर सिंह और जसबीर उर्फ वीरा के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि राकेश उर्फ केशू के खिलाफ पहले भी चार आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह नशे एवं हथियारों से जुड़े मामलों में शामिल रहा है।

जांच में जुटी पुलिस

पंजाब में नशा तस्करी एक बड़ी समस्या है. राज्य के कई युवा नशे की चपेट में है, जिसके खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं. सीमा पार से नशे की तस्करी की जा रही है. ऐसे में इन आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी कामयाबी है. पुलिस फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है और पता लगा रही है इनके साथ और कौन कौन से लोग इस काम में शामिल हैं, इनका नेटवर्क कहा तक फैला है. इसके साथ ही ये भी पता लगाया जा रहा है कि जब्त की गई हेरोइन किसे भेजी जानी थी।

ट्रंप के दावे और टूटता तिलस्म

डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति और उनके आक्रामक व्यापारिक दृष्टिकोण ने वैश्विक भू-राजनीति में भारत और अमेरिका के संबंधों को एक जटिल धरातल पर लाकर खड़ा कर दिया है। हाल के घटनाक्रम और ट्रंप के बयानों से यह आभास होता है कि वे भारत के आर्थिक उभार को एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं, विशेषकर जब वे सार्वजनिक रूप से यह कहते हैं कि वे भारत को 'अगला चीन' नहीं बनने देंगे। हालांकि, इस दावे और भारत पर दबाव बनाने की उनकी रणनीति का सूक्ष्म विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि भारत के संदर्भ में अमेरिकी दबाव की सीमाएं बहुत संकीर्ण हैं। ट्रंप का यह सोचना कि टैरिफ युद्ध या प्रतिबंधों की धमकी से भारत की विकास यात्रा को नियंत्रित किया जा सकता है, जमीनी हकीकत से परे नजर आता है। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता नहीं करेगा, चाहे वह व्यापारिक नीतियां हों या रूस जैसे देशों के साथ ऊर्जा संबंध। ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर टैरिफ हमलों की श्रृंखला तब शुरू हुई जब अमेरिका ने भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया और हार्ले-डेविडसन जैसी मोटरसाइकिलों पर आयात शुल्क को लेकर कड़ा रुख अपनाया। जवाब में, अमेरिका ने भारत को मिलने वाले 'जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेस' (त्रस्क) के लाभ को समाप्त कर दिया, जिसका उद्देश्य भारतीय निर्यातकों को चोट पहुँचाना था। लेकिन इसके परिणाम ट्रंप की उम्मीदों के विपरीत रहे। भारत ने न केवल अमेरिकी कृषि उत्पादों और बादाम जैसे आयातों पर जवाबी शुल्क लगाकर अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा की, बल्कि अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण भी शुरू कर दिया। आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने के बावजूद, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि देखी गई, जो यह दर्शाता है कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे पर इस कदर निर्भर हैं कि केवल टैरिफ के जरिए इन्हें अलग करना या भारत को दबाना संभव नहीं है। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत एक अपरिहार्य बाजार और विनिर्माण केंद्र बना हुआ है, जिसे नजरअंदाज करना खुद अमेरिका के लिए आर्थिक आत्मघात जैसा होगा।

दबाव की राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान देखने को मिला, जब अमेरिका ने भारत पर रूस से कच्चा तेल न खरीदने और प्रतिबंधों का पालन करने के लिए भारी राजनयिक दबाव डाला। ट्रंप और उनके समर्थक गुट का मानना था कि भारत को अमेरिकी छत्रछाया में लाने के लिए यह सही समय है। हालांकि, भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए न केवल रूस से तेल की खरीद जारी रखी, बल्कि उसे अपनी अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीतिक अवसर में बदल दिया। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और 'प्राइस कैप' जैसी नीतियों को दरकिनार करते हुए भारत ने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप फैसले लिए। यह अमेरिकी कूटनीति की एक बड़ी विफलता मानी जा सकती है क्योंकि वह एक प्रमुख लोकतांत्रिक साझेदार को अपनी मर्जी के अनुसार झुकने पर मजबूर नहीं कर सका। भारत के इस कड़े रुख ने स्पष्ट कर दिया कि नई दिल्ली की विदेश नीति अब वाशिंगटन के निर्देशों पर नहीं, बल्कि अपने 140 करोड़ नागरिकों की जरूरतों और वैश्विक स्थिरता के अपने दृष्टिकोण पर आधारित है।

भारत की तुलना चीन से करना और उसे 'अगला चीन' न बनने देने की बात करना ट्रंप की एक रणनीतिक भूल को दर्शाता है। चीन का उदय एक सत्तावादी ढांचे के तहत हुआ जिसने वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन किया, जबकि भारत एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है जो कानून आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का सम्मान करती है। ट्रंप का यह डर कि भारत अमेरिकी विनिर्माण को निगल जाएगा, तथ्यात्मक रूप से कमजोर है क्योंकि भारत का विकास मॉडल निर्यात-आधारित होने के साथ-साथ उपभोग-आधारित भी है। भारत आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है, जिसे अमेरिका खुद 'फ्रेंड-शोरिंग' के नाम से बढ़ावा देता रहा है। ऐसे में एक तरफ भारत को विनिर्माण का विकल्प बनाना और दूसरी तरफ उसकी प्रगति को रोकने की बात करना ट्रंप की नीतियों में गहरे अंतर्विरोध को उजागर करता है।

ट्रंप के कार्यकाल के दौरान यह भी देखा गया कि रक्षा सौदों के मामले में भी अमेरिका का दबाव काम नहीं आया। भारत ने रूस के साथ S-400 मिसाइल प्रणाली का सौदा किया, जिस पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। भारत का अडिग रहना और अंततः अमेरिका का प्रतिबंधों से पीछे हटना यह साबित करता है कि वाशिंगटन को भारत की सैन्य और सामरिक महत्ता का भली-भांति आभास है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए अमेरिका को भारत की जितनी आवश्यकता है, उतनी भारत को अमेरिका की नहीं। यह शक्ति संतुलन ट्रंप के उन दावों को खोखला कर देता है जिनमें वे भारत को नियंत्रित करने की बात करते हैं। भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलें किसी देश के खिलाफ नहीं बल्कि अपनी क्षमता विस्तार के लिए हैं, और ट्रंप के टैरिफ या धमकियां इसे रोकने में अक्षम साबित हुई हैं।

अंततः, ट्रंप की रणनीति में एक बुनियादी कमी यह है कि वे भारत को केवल एक व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते हैं, जबकि भारत एक सभ्यतागत शक्ति और उभरता हुआ वैश्विक ध्रुव है। भारत की डिजिटल क्रांति, उसका विशाल युवा कार्यबल और उसकी रणनीतिक स्थिति उसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर ले जा रही है। ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' के मुकाबले भारत का 'सबका साथ, सबका विकास' और वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने का संकल्प अधिक समावेशी और प्रभावी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप द्वारा भारत पर बनाए गए दबाव के हर प्रयास ने भारत को अधिक आत्मनिर्भर बनने और अपने विकल्पों को तलाशने के लिए प्रेरित किया है। भारत को दबाव में रखकर सफल होने का सपना देखने वाले नेताओं को यह समझना होगा कि 21वीं सदी का भारत अपनी शर्तों पर दुनिया के साथ जुड़ने की क्षमता रखता है और किसी भी महाशक्ति का कनिष्ठ भागीदार बनने के बजाय एक समान और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ट्रंप के दावे महज चुनावी बयानबाजी या दबाव की राजनीति का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन वास्तविक विश्व व्यवस्था में भारत की गति को रोकना अब किसी भी एक शक्ति के बस की बात नहीं रह गई है।

महेन्द्र तिवारी

सीईसी पर महाभियोग का नोटिसः बहुमत से नहीं, 'नैरेटिव की राजनीति' से लड़ाई

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में जब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया जाता है, तो वह केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं रह जाता, बल्कि उसके राजनीतिक मायने भी गहरे हो जाते हैं। हाल ही में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, यानी कुल 193 सांसदों ने इसे समर्थन दिया है। यह संख्या नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम संख्या से अधिक है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके बावजूद इस प्रस्ताव का संसद में पारित होना लगभग असंभव है।

यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम को केवल संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। विपक्षी दलों का यह कदम ऐसे समय आया है जब देश में जल्द ही पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। चुनाव से ठीक पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का कदम उठाना यह संकेत देता है कि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर एक राजनीतिक नैरेटिव तैयार करना चाहता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) में तय की गई है। इसके अनुसार उन्हें हटाने के लिए वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए अपनाई जाती है। इसका अर्थ है कि संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। विशेष बहुमत का मतलब है कि सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत का समर्थन। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास इतनी संख्या नहीं है कि वह इस प्रस्ताव को पारित करा सके।

यही कारण है कि कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह प्रस्ताव वास्तव में सत्ता परिवर्तन की कोशिश से अधिक राजनीतिक संदेश देने की रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की कुछ प्रक्रियाएं, खासकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े निर्णय, बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकते हैं और इससे सत्तारूढ़ दल को लाभ मिल सकता है। इसी आधार पर विपक्ष ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए महाभियोग का रास्ता चुना है।

हालांकि यह भी सच है कि इस तरह का प्रस्ताव भारतीय इतिहास में पहली बार सामने आया है। इससे पहले किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में इस स्तर का औपचारिक प्रयास नहीं हुआ था। इसलिए यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है। विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि वह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर है और यदि उसे लगता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है तो वह उसे संसद में चुनौती देने से पीछे नहीं हटेगा।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इस कदम का सीधा फायदा विपक्ष को तुरंत मिलना मुश्किल है। संसद में बहुमत के अभाव के कारण यह प्रस्ताव संभवतः आगे नहीं बढ़ पाएगा। लोकसभा में अंतिम निर्णय स्पीकर ओम बिरला के पास है, जबकि राज्यसभा में यह अधिकार सभापति के पास होता है। यदि वे नोटिस स्वीकार भी कर लेते हैं तो अगला चरण जांच समिति का होगा। समिति की रिपोर्ट और उसके बाद संसद में मतदान की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि उसका परिणाम निकट भविष्य में निकलना मुश्किल है।

इसके बावजूद विपक्ष के लिए यह कदम पूरी तरह बेकार भी नहीं है। राजनीति में कई बार किसी मुद्दे को उठाने का उद्देश्य तत्काल परिणाम प्राप्त करना नहीं बल्कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करना होता है। विपक्ष शायद यही चाहता है कि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बहस छिड़े और मतदाताओं के बीच यह संदेश जाए कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

विशेष रूप से उन राज्यों में जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां यह मुद्दा राजनीतिक बहस का हिस्सा बन सकता है। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे राज्यों में विपक्ष यह तर्क दे सकता है कि चुनाव आयोग की कुछ नीतियां मतदाता सूची या चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। इससे विपक्ष को अपने समर्थकों को संगठित करने और राजनीतिक माहौल बनाने का अवसर मिल सकता है।

इसके अलावा यह कदम विपक्षी एकता का भी प्रतीक बन सकता है। इस नोटिस पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आम आदमी पार्टी सहित कई दलों के सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह दर्शाता है कि विभिन्न विचारधाराओं के दल एक साझा मुद्दे पर एक साथ खड़े हो सकते हैं। भारतीय राजनीति में जहां विपक्ष अक्सर बिखरा हुआ दिखाई देता है, वहां इस तरह की संयुक्त कार्रवाई राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि क्या केवल नैरेटिव बनाने से चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। भारतीय मतदाता अक्सर स्थानीय मुद्दों, नेतृत्व और सरकार के कामकाज को अधिक महत्व देते हैं। इसलिए यह जरूरी नहीं कि चुनाव आयोग को लेकर उठाया गया विवाद सीधे चुनावी परिणामों को प्रभावित कर दे।

लेकिन राजनीति केवल परिणामों की गणना नहीं होती, बल्कि धारणा की भी होती है। विपक्ष शायद यही समझता है कि यदि वह चुनाव से पहले लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा लगातार उठाता है, तो वह कम से कम राजनीतिक बहस की दिशा बदल सकता है। यही कारण है कि संख्या बल की कमी के बावजूद इस तरह का संवैधानिक कदम उठाया गया है।

अंततः यह घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण भी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर राजनीतिक दल कितने संवेदनशील हैं और वे उन्हें लेकर संसद में किस हद तक जाने को तैयार हैं। चाहे यह प्रस्ताव आगे बढ़े या नहीं, लेकिन इसने एक बड़ी बहस जरूर शुरू कर दी है कि चुनावी संस्थाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक दलों की अपेक्षाएं क्या हैं और लोकतंत्र में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

पेट्रोलियम संकट में उपभोक्ता, अधिकारों की वास्तविकता

प्रतिवर्ष 15 मार्च को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। यह दिन उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए समर्पित है, परंतु विडंबना यह है कि आज जब दुनिया इस दिवस को मना रही है, उसी समय वैश्विक राजनीति और युद्धों की आग में उपभोक्ता सबसे अधिक झुलस रहा है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, विशेषकर अमेरिका, इज़रायल और ईरान के टकराव के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति और कीमतों पर वैश्विक दबाव बढ़ गया है। परिणाम यह हुआ कि पेट्रोल, डीज़ल और गैस की कीमतों में स्थिरता ने पूरे विश्व के उपभोक्ताओं को प्रभावित किया है।

जब जब पेट्रोलियम महँगा होता है तो उसका असर केवल वाहन चलाने तक सीमित नहीं रहता बल्कि परिवहन, खाद्यान्न, बिजली, उद्योग और दैनिक उपभोग की वस्तुओं तक फैल जाता है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा बोझ पड़ता है। ऐसे समय में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि उपभोक्ता अधिकारों की जो व्यवस्था बनाई गई है वह वास्तव में आम नागरिक को कितनी राहत दे पा रही है। भारत में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 में व्यापक रूप से लागू किया गया था उसके बाद अनेक संशोधन किए गए, वर्तमान में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को कई महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए गए हैं। इनमें सुरक्षा का अधिकार, सूचना प्राप्त करने का अधिकार, चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार, न्याय प्राप्त करने का अधिकार और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार प्रमुख हैं। इसके अलावा इस कानून में भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण, ई-कॉमर्स कंपनियों की जवाबदेही और ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था भी जोड़ी गई है।

उपभोक्ता विवादों के समाधान के लिए भारत में त्री स्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। जिसमें जिला उपभोक्ता आयोग, राज्य उपभोक्ता आयोग और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग शामिल हैं। देश में लगभग 685 जिला उपभोक्ता आयोग और लगभग 35 राज्य आयोग कार्यरत हैं, जबकि राष्ट्रीय आयोग सर्वोच्च स्तर पर अपील और बड़े मामलों की सुनवाई करता है। जिला आयोग में एक करोड़ रुपये तक के मामलों की सुनवाई होती है, राज्य आयोग एक करोड़ से दस करोड़ रुपये तक के मामलों पर निर्णय देता है और दस करोड़ रुपये से अधिक के मामलों की सुनवाई राष्ट्रीय आयोग करता है। सरकार के उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता मामलों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2022 से 2025 के बीच लगभग 5.99 लाख मामले उपभोक्ता आयोगों में दर्ज हुए और लगभग 5.91 लाख मामलों का निपटारा किया गया, जबकि लाखों मामले अब भी लंबित हैं। वर्ष 2024 में लगभग 1.73 लाख नए मामले दर्ज हुए और लगभग 1.58 लाख मामलों का समाधान हुआ। जनवरी 2024 तक देशभर में लगभग 5.43 लाख मामले लंबित थे। कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, जैसे गुजरात में 2024 के दौरान राज्य आयोग में 2214 मामलों और जिला आयोगों में 15820 मामलों का निपटारा किया गया। यह आँकड़े यह दर्शाते हैं कि व्यवस्था सक्रिय तो है, परंतु मामलों की संख्या और निपटान के बीच अभी भी बड़ा अंतर मौजूद है।

कानून के अनुसार उपभोक्ता मामलों का निपटारा तीन से पाँच महीनों के भीतर हो जाना चाहिए, लेकिन व्यवहार में कई मामलों में वर्षों लग जाते हैं। इसके पीछे न्यायिक सदस्यों की कमी, प्रशासनिक ढाँचे की सीमाएँ, बार-बार स्थगन और कंपनियों द्वारा आदेशों के पालन में देरी जैसे कारण जिम्मेदार हैं। इस पूरी व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि आम उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति अभी भी पूरी तरह जागरूक नहीं है। ग्रामीण स्तर पर उपभोक्ताओं को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। बहुत से लोग छोटी-छोटी ठगी या सेवा में कमी को नियति मानकर सह लेते हैं और शिकायत दर्ज नहीं कराते। यही कारण है कि बाजार में कई बार कंपनियाँ और सेवा प्रदाता उपभोक्ता हितों की अनदेखी कर देते हैं। पेट्रोलियम संकट के वर्तमान दौर में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि ईंधन की कीमतों का प्रभाव हर वस्तु और सेवा पर पड़ता है। ऐसे में सरकार, उपभोक्ता संगठनों और न्यायिक संस्थाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे मूल्य पारदर्शिता, कर संरचना और आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखें ताकि आम नागरिक पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन भर नहीं होना चाहिए बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी होना चाहिए कि क्या उपभोक्ता वास्तव में बाजार का राजा बन पाया है या अभी भी वह व्यवस्था की जटिलताओं में उलझा हुआ है। जब तक उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होगा और शिकायत दर्ज करने का साहस नहीं करेगा, तब तक कानून की शक्ति पूरी तरह प्रभावी नहीं हो सकेगी। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उपभोक्ता जागरूकता को जनआंदोलन का रूप दिया जाए, उपभोक्ता अदालतों की संख्या और संसाधन बढ़ाए जाएँ तथा शिकायतों के त्वरित निपटान की व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। तभी अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा और उपभोक्ता वास्तव में सशक्त बन सकेगा।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस : जागरूक उपभोक्ता ही सुरक्षित समाज की आधारशिला

हर वर्ष 15 मार्च को विश्व भर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। यह दिन उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के लिए समर्पित है। आधुनिक उपभोक्तावादी युग में प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में उपभोक्ता है, क्योंकि वह प्रतिदिन विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग करता है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि उपभोक्ता अपने अधिकारों को जाने, उन्हें समझे और आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग भी करे। यह दिवस उपभोक्ताओं को यह याद दिलाता है कि बाजार में केवल व्यापारियों या कंपनियों के ही अधिकार नहीं होते, बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा और सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का इतिहास 15 मार्च 1962 से जुड़ा हुआ है, जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी ने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए उपभोक्ता अधिकारों को औपचारिक रूप से मान्यता दी थी। उन्होंने पहली बार यह स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को सुरक्षा, सूचना, चयन और सुने जाने का अधिकार मिलना चाहिए। यह विचार आगे चलकर एक वैश्विक आंदोलन का आधार बना और 1983 से 15 मार्च को विश्व स्तर पर उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। बाद में संयुक्त राष्ट्र ने भी उपभोक्ता संरक्षण के लिए दिशानिर्देश जारी कर इस आंदोलन को वैश्विक पहचान प्रदान की।

आज के समय में बाजार तेजी से बदल रहा है। नई तकनीकों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के कारण उपभोक्ताओं के सामने कई नए अवसर आए हैं, लेकिन साथ ही कई चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। कई बार कंपनियां आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम से उत्पादों के बारे में गलत या अधूरी जानकारी देती हैं। कुछ मामलों में उत्पादों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं होती या कीमत वास्तविक मूल्य से अधिक होती है। ऐसे में उपभोक्ता अधिकार दिवस लोगों को सतर्क रहने और सही जानकारी के आधार पर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता है। उपभोक्ता अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण अधिकार सुरक्षा का अधिकार है। इसका अर्थ है कि उपभोक्ता को ऐसे उत्पाद और सेवाएं मिलनी चाहिए जो उसके स्वास्थ्य और जीवन के लिए सुरक्षित हों। यदि किसी वस्तु से खतरा होने की संभावना है, तो उसके बारे में उपभोक्ता को पहले से जानकारी दी जानी चाहिए। इसके अलावा सूचना का अधिकार भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपभोक्ता को उत्पाद की गुणवत्ता, मात्रा, कीमत, निर्माण तिथि, उपयोग की विधि और संभावित जोखिमों के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होता है। इसी प्रकार चयन का अधिकार उपभोक्ता को यह स्वतंत्रता देता है कि वह विभिन्न विकल्पों में से अपनी आवश्यकता और क्षमता के अनुसार वस्तु या सेवा चुन सके।

इसके साथ ही उपभोक्ता को अपनी शिकायत दर्ज कराने और सुने जाने का भी अधिकार है। यदि किसी उत्पाद या सेवा से उपभोक्ता को नुकसान होता है या उसे धोखा दिया जाता है, तो वह उचित मंच पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है और न्याय प्राप्त कर सकता है। भारत में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था बनाई गई है। पहले उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 लागू था, जिसे बाद में संशोधित कर नया कानून लागू किया गया। इस व्यवस्था के अंतर्गत उपभोक्ता अदालतें और कई नियामक संस्थाएं उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान करती हैं।

भारत में उपभोक्ता अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। 'जागो ग्राहक जागो' जैसे अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाता है कि वे खरीदारी करते समय सावधानी बरतें और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। इसके अलावा विभिन्न सरकारी संस्थाएं उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों की निगरानी करती हैं। उदाहरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की ऊर्जा खपत के आधार पर स्टार रेटिंग प्रदान करता है। इससे उपभोक्ताओं को यह समझने में मदद मिलती है कि कौन-सा उपकरण कम बिजली खर्च करेगा और लंबे समय में उनके लिए अधिक लाभदायक होगा। आज के समय में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीदारी करते समय लोग अक्सर उनकी स्टार रेटिंग पर ध्यान देते हैं। यह रेटिंग यह दर्शाती है कि कोई उपकरण कितनी ऊर्जा बचत करता है। सामान्यतः पांच स्टार रेटिंग वाला उपकरण कम बिजली खर्च करता है और पर्यावरण के लिए भी बेहतर माना जाता है। हालांकि कई बार बाजार में नकली या गलत रेटिंग वाले उत्पाद भी मिल जाते हैं, इसलिए उपभोक्ताओं को सावधानी बरतनी चाहिए। आधिकारिक ऐप या वेबसाइट के माध्यम से उत्पाद की जानकारी की जांच करना उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचा सकता है। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का महत्व केवल अधिकारों की जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदार उपभोक्ता बनने का भी संदेश देता है। उपभोक्ताओं को यह समझना चाहिए कि वे केवल खरीदारी करने वाले व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि बाजार की दिशा तय करने वाली एक महत्वपूर्ण शक्ति भी हैं। यदि उपभोक्ता जागरूक होकर गुणवत्ता वाले और सुरक्षित उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, तो कंपनियों को भी अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसी प्रकार पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए टिकाऊ और ऊर्जा-सक्षम उत्पादों का उपयोग करना भी आज के समय की आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2026 में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का विषय 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' रखा गया है। यह विषय इस बात पर जोर देता है कि बाजार में उपलब्ध हर उत्पाद सुरक्षित, विश्वसनीय और मानकों के अनुरूप होना चाहिए। इसमें व्यवसायों, नियामक संस्थाओं और उपभोक्ताओं तीनों की साझा जिम्मेदारी होती है। कंपनियों को ईमानदारी से उत्पाद तैयार करने चाहिए, सरकार को प्रभावी नियम और निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, और उपभोक्ताओं को जागरूक होकर सही निर्णय लेना चाहिए।

वास्तव में जागरूक उपभोक्ता ही स्वस्थ और सुरक्षित बाजार व्यवस्था की नींव होते हैं। जब उपभोक्ता अपने अधिकारों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं, तब बाजार में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है। इससे न केवल उपभोक्ताओं को लाभ होता है बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। इसलिए विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह जागरूकता, जिम्मेदारी और न्यायपूर्ण व्यापार व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अंततः यह कहा जा सकता है कि उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का भी कर्तव्य है। यदि हम जागरूक होकर सही जानकारी के साथ खरीदारी करें, उत्पादों की गुणवत्ता की जांच करें और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी के खिलाफ आवाज उठाएं, तो हम एक सुरक्षित और न्यायपूर्ण उपभोक्ता समाज का निर्माण कर सकते हैं। यही इस दिवस का मूल संदेश है कि जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज की पहचान है।

कांतिलाल मांडोत

नचिकेता के अनुपम आदर्श से अनभिज्ञ होती आधुनिक पीढ़ी

आज का युग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग है। मोबाइल और इंटरनेट से घिरी आधुनिक पीढ़ी किसी भी प्रश्न का उत्तर कुछ ही क्षणों में गूगल पर खोज सकती है। यदि आज के बच्चों या युवाओं से पूछा जाए कि नचिकेता कौन थे, तो वे संभवतः तुरंत इंटरनेट पर खोज कर उत्तर बता देंगे। लेकिन यदि यही प्रश्न बिना गूगल या एआई की सहायता के पूछा जाए, तो शायद अधिकांश लोग निरुत्तर रह जाएंगे। यह स्थिति हमारी शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक स्मृति पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है । भारतीय वैदिक साहित्य में कृष्ण यजुर्वेद के कठोपनिषद में वर्णित नचिकेता और यमराज के संवाद की कथा अत्यंत प्रेरणादायक मानी जाती है। बालक नचिकेता का चरित्र पितृभक्ति, सत्यनिष्ठा, साहस, वैराग्य और ज्ञान-पिपासा का अद्भुत उदाहरण है। दुर्भाग्य से आज की शिक्षा पद्धति में इस महान आदर्श का समुचित स्थान नहीं है। यदि कहीं इसका उल्लेख मिलता भी है तो वह केवल कुछ श्लोकों तक सीमित रह जाता है ।

वैदिक ग्रंथों के अनुसार लगभग दस वर्ष की आयु का बालक नचिकेता अत्यंत तेजस्वी और जिज्ञासु था। उसके पिता उद्दालक ऋषि ने विश्वजीत नामक यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें सर्वस्व दान करना अनिवार्य था। यज्ञ के दौरान जब उद्दालक ऋषि दुर्बल और बूढ़ी गायों का दान करने लगे, तब नचिकेता ने विनम्रतापूर्वक उन्हें समझाया कि ऐसा दान, जो किसी के काम न आए, धर्मसम्मत नहीं है । नचिकेता ने अपने पिता से कहा कि यदि दान ही देना है तो मुझे ही दान कर दीजिए, ताकि मैं किसी के काम आ सकूँ। नचिकेता पिता से कहता है कि मैं भी आपका धन हूँ, अतः इन गायों की जगह आप मेरा ही दान कर दीजिए ताकि मैं किसी के कुछ काम आ सकू। गोदान करते समय पिता के पास आकर नचिकेता बार-बार एक ही प्रश्न पूछता है — 'तत् कस्मै मां दास्यसि?' अर्थात आप मुझे किसे दान देंगे? बार-बार एक ही प्रश्न पूछने पर आवेश में आकर पिता के मुख से निकल गया— 'मैं तुझे यमराज को देता हूँ।' पिता के इस वचन को सत्य सिद्ध करने के लिए बालक नचिकेता मृत्यु के देवता यमराज के लोक तक पहुँच गया।

यमराज के द्वार पर वह तीन दिन और तीन रात बिना अन्न-जल के प्रतीक्षा करता रहा। अतिथि के रूप में आए इस बालक की तपस्या और पितृभक्ति से प्रभावित होकर यमराज ने उसे तीन वरदान माँगने को कहा । पहले वरदान में नचिकेता ने अपने पिता के क्रोध और दुख के शांत होने की कामना की। दूसरे वरदान में उसने अग्नि विद्या का ज्ञान माँगा। तीसरे वरदान के रूप में उसने जीवन के सबसे गूढ़ प्रश्न को सामने रखा— मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है ? यमराज ने उसकी परीक्षा लेने के लिए उसे अपार धन, ऐश्वर्य, सुख-सुविधाएँ और स्वर्गिक भोग देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन नचिकेता ने इन सबको अस्वीकार कर दिया। उसने स्पष्ट कहा कि संसार के सभी भोग क्षणभंगुर हैं और मनुष्य कभी धन से तृप्त नहीं होता। उसे केवल आत्मा के सत्य का ज्ञान चाहिए। नचिकेता की इस अद्भुत वैराग्य भावना और दृढ़ जिज्ञासा से प्रसन्न होकर यमराज ने उसे आत्मा और ब्रह्म के रहस्य की ब्रह्मविद्या का ज्ञान दिया। यही ज्ञान आगे चलकर कठोपनिषद का अमूल्य संदेश बना।

नचिकेता के महान जीवन चरित्र आदर्श की तुलना आज के आधुनिक समाज से करें तो स्थिति बहुत चिंताजनक दिखाई देती है। आज की पीढ़ी भौतिक सुखों और विलासिता की दौड़ में अपने पारिवारिक संस्कारों, धार्मिक ग्रंथों और सांस्कृतिक मूल्यों से दूर होती जा रही है। आज हर वर्ग हर समाज की आधुनिक होती पीढ़ी विलासिता में डूबकर अपने घर, परिवार, समाज की मान-मर्यादा, रीति-नीति और संस्कारों से न केवल दूर हो रही है बल्कि अपने वैदिक धार्मिक ग्रंथों में छिपे असीम रहस्यों, इतिहास और आदर्श चरित्रों से भी वह अनभिज्ञ हो चुकी हे ! बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियाँ, नशे की लत और कम उम्र में भटकाव समाज के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभर रहे हैं। ऐसी स्थिति में नचिकेता जैसे आदर्श चरित्रों की शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। यदि हमारे बच्चों को बचपन से ही भारतीय ग्रंथों में वर्णित उच्च आदर्शों से परिचित कराया जाए, तो वे केवल तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध बन सकते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मोबाइल और आभासी दुनिया में खोती जा रही पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से पुनः जोड़ा जाए। नचिकेता का जीवन संदेश देता है कि सत्य, ज्ञान और आत्मबोध की खोज ही मनुष्य जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है । यदि हम वास्तव में संस्कारित और सशक्त समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें नचिकेता जैसे आदर्श चरित्रों को आधुनिक पीढ़ी के जीवन में पुनः स्थापित करना होगा।

अरविंद रावल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

जनपद में गैस एजेंसियों में सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्धः- एडीएम

रायबरेली:- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ व अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने शहर में स्थित विभिन्न गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया।निरीक्षण कर उपलब्ध स्टाक, वितरण व उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग इत्यादि की अभिलेखों की जांच की गई। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में समस्त गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, उपभोक्ताओं को उनके द्वारा की गई बुकिंग के अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। जनपद में कही पर भी गैस सिलेंडर की कोई समस्या नहीं है। इसी क्रम में जनपद की समस्त तहसील क्षेत्र में उप जिलाधिकारियों द्वारा गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया गया एवं उपलब्ध स्टाक व व्यवस्थाओं को परखा गया, जिससे कही पर भी उपभोक्ताओं को कोई समस्या उत्पन्न न हो।

संघ कार्यालय में होली मिलन समारोह में फाग गीतों पर झूमे लोग

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के घोसियाना मोहल्ला स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिवम सोनी की अगुवाई में सराय बैरिहाखेड़ा से आई फाग मंडली ने ढोल नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक होली गीत प्रस्तुत किए। फाग गीतों पर मौजूद लोग झूम उठे और माहौल पूरी तरह से होली के रंग में रंग गया।कार्यक्रम के दौरान संघ कार्यकर्ताओं की ओर से फाग मंडली के कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन विमल गुप्ता ने किया। इस मौके पर जिला प्रचारक अजीत, अनंत बाजपेई, शीतला अग्रहरि, इंद्रेश सिंह, राजेश सोनी, मयंक, अनिल शर्मा, अविनाश, सचिन रस्तोगी, देशराज, शिव कुमार, गंगा, पवन सिंह, राहुल, अमन, रजनू, रोहितऔर पवन द्विवेदी सहित कई लोग मौजूद रहे।

नोटिस

व अदालत श्रीमान वन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय मुकाम पीलीभीत

अपील सं0-202654125600000016

ई0

सच्चिदानन्द अपीलान्ट

बनाम

दीपांशी शर्मा आदि

बनाम रेस्पोडेन्ट

1. दीपांशी शर्मा पुत्री प्रदीप कुमार शर्मा निवासी ए-2 बी.सी.पी.एच. मुनब्बर बाग कालोनी लखनऊ 2. कनिष्का पाण्डेय पुत्री अनूप कुमार नि0मो0 रिकावगंज फैजाबाद 3. कृतिका पाण्डेय पुत्री अनूप कुमार नि0मो0 रिकावगंज फैजाबाद।

वाजे हो कि आपके खिलाफ नालिश दफा 11 (1) सी.एच.एक्ट दायर की है अतः आप व तारीख 2.5 माह 3 सन् 2026 ववक्त 10 बजे दिन असालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त तारीख पर अपनी जवाबदेही पेश करे यह लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहो की व नीचे आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूअ फैसला होगा चाहते हो पेश करो अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होगे तो उसका समोत दस्तावेजात जिसकी शहादत पर आप व ताईद अपना जवाबदेही इस्तदवाल करना तारीख 11 माह 3 सन् 2026 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया।

Notice

I Ashish Kumar Srivastava S/o Sri Dashrath Prasad Srivastava, resident of Village Mahdev, Walter Ganj Dist. Basti **272182**, do hereby solemnly affirm and declare as under, that my name has been wrongly written as Ashish Srivastava in the Admission Form submitted to St. Thomson Mission School Sector .H , Janki Puram Lucknow. My correct name Shivanya Srivastava S/O Ashish Kumar Srivastava & Mother name Aprajita Srivastav. In future I will be known as Satyam Srivastava S/O Ashish Kumar Srivastava & Mother name Aprajita Srivastav.

लखनऊ पूर्वी जोन पुलिस की सघन बैंक चेकिंग, सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

स्वतंत्र प्रभात

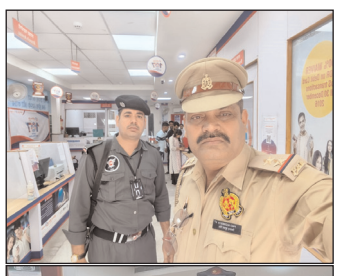

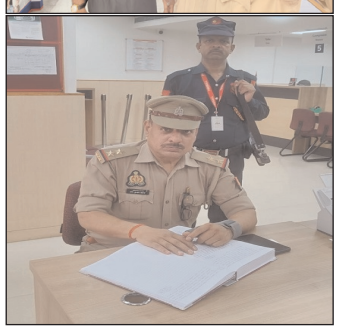

विकास नगर-लखनऊ। शहर में अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पूर्वी जोन पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन बैंक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान डीसीपी ईस्ट शशांक सिंह के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत बैंक शाखाओं की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और संभावित आपराधिक घटनाओं की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों जीतेन्द्र सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारियों की टीमों ने अपने-अपने क्षेत्र में स्थित बैंकों का निरीक्षण किया। इस दौरान बैंक परिसर, एटीएम कक्ष, पार्किंग स्थल और आसपास के क्षेत्रों की गहन जांच की गई। पुलिस ने बैंक कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पुलिस अधिकारियों ने बैंक प्रबंधन को निर्देश दिया कि बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय रहें और उनकी रिकॉर्डिंग नियमित रूप से सुरक्षित रखी जाए। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को देने के लिए कहा गया।

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने बैंक परिसरों में मौजूद लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की।

इसके अलावा एटीएम बूथों की सुरक्षा, अलार्म सिस्टम और गार्ड की तैनाती का भी निरीक्षण किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और बैंक से जुड़ी किसी भी आपराधिक घटना को रोकने के लिए इस तरह के चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। पूर्वी जोन पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

नोडल शिक्षकों ने सीखा विद्यालय और कक्षा प्रबंधन का तरीका

लालगंज (रायबरेली)। ब्लॉक संसाधन केंद्र में समावेशी शिक्षा से संबंधित पांच दिवसीय नोडल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान नोडल शिक्षकों को विद्यालय और कक्षा प्रबंधन का तरीका सीखाया गया। प्रशिक्षण दो बैचों में आयोजित किया गया। इसमें करीब 100 शिक्षकों ने भाग लिया। खंड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार ओझा के निर्देशन में संदर्भदाता नवीन कुमार पांडेय, अर्चना वाजपेई, राजेंद्र कुमार और राजेश शुक्ला ने शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की पहचान, उन्हें सामान्य बच्चों के साथ पढ़ाने के तरीके और उनकी जरूरतों को समझने की जानकारी दी।शिक्षकों को समावेशी शिक्षा की योजनाओं की जानकारी डि गई। नियमों और सरकारी प्रावधानों के बारे में बताया गया। नई शिक्षा नीति 2020, पीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 और नेशनल ट्रस्ट एक्ट 1999 से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई। प्रशिक्षण में विद्यालय और कक्षा प्रबंधन के तरीके भी समझाए गए। कार्यक्रम में सारिका, शशि सिंह, राम मिश्रा, रागिनी, रिचा सिंह, दीपमाला, अंकित सिंह, अमिता साहू, रश्मि, अश्वनी, सुशील मिश्रा, राकेश सिंह, आशीष चौहान, मोहम्मद अंसार, रमेश वर्मा, रामनरेश, गौरव पाठक, अजय वर्मा, दयाशंकर और अजय प्रताप सहित कई शिक्षकों ने सहभागिता की।

सराय एसर गांव में योग व प्रौढ़ शिक्षा जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात

इटावा- कर्म क्षेत्र पी.जी. कॉलेज, इटावा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा प्राचार्य प्रो. महेंद्र सिंह के संरक्षण में आयोजित सप्त-दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन गाँव सराय एसर में प्रौढ़ शिक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को प्राकृतिक शिक्षा एवं योग की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गाँव के पंचायत घर में हुआ, जहाँ स्वयंसेवकों ने सर्वप्रथम साफ-सफाई अभियान चलाया। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत का सामूहिक गायन किया गया। तत्पश्चात स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने गाँव में घर-घर जाकर प्रौढ़ शिक्षा जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मुख्य अतिथि डॉ. सिद्धार्थ ने योग के इतिहास, अष्टांगिक मार्ग तथा विभिन्न योगासनों का परिचय कराते हुए कहा, 'योग के माध्यम से हम न केवल अपने शरीर व मन को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि एक स्वस्थ समाज का निर्माण भी कर सकते हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजीत कुमार दीक्षित ने जीवन में प्राकृतिक शिक्षा एवं योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रौढ़ शिक्षा के विभिन्न साधनों की जानकारी भी दी। स्वयंसेवकों ने योग से संबंधित अनेक जिज्ञासु प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. सिद्धार्थ व डॉ. अजीत कुमार दीक्षित ने संतोषजनक समाधान किया।

शिविर में सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने सामूहिक भोजन ग्रहण किया। दिनभर सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए तथा दिवस का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. नमिता पाण्डेय, डॉ. नीता पाण्डेय सहित अन्य शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। एनएसएस इकाई के इस प्रयास से ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता को नई दिशा मिली है।

पहल फाउंडेशन के तत्वावधान में मुन्नन शुक्ला का सम्मान समारोह

● अध्यक्ष गंगाराम राजपूत व अधिशासी अधिकारी रेणुका यादव की गरिमामयी उपस्थिति में मुन्नन शुक्ला का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली (सीतापुर), 12 मार्च 2026 आदर्श नगर पंचायत सिधौली के नरोत्तम नगर उत्तरी वार्ड से लगातार चौथी बार सभासद निर्वाचित होकर जनसेवा की मिसाल कायम करने वाले मुन्नन शुक्ला को बार एसोसिएशन सिधौली का निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने जाने के उपलक्ष्य में गुरुवार को हरियाली मैरिज हॉल, सिधौली में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पहल फाउंडेशन के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं प्रदान कीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के मुख्य अतिथि आदर्श नगर पंचायत सिधौली के अध्यक्ष गंगाराम राजपूत रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिशासी अधिकारी रेणुका यादव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी एवं शिक्षाविद् डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि गंगाराम राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि मुन्नन शुक्ला ने जनप्रतिनिधि के रूप में सदैव जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। लगातार चार बार सभासद चुना जाना उनके प्रति जनता के विश्वास और लोकप्रियता का प्रमाण है। वहीं, बार एसोसिएशन सिधौली के निर्विरोध उपाध्यक्ष के रूप में उनका चयन उनकी नेतृत्व क्षमता और सामाजिक स्वीकार्यता को दर्शाता है। विशिष्ट अतिथि रेणुका यादव ने भी मुन्नन शुक्ला को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधि समाज और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हैं, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलती है। इस अवसर पर जयराम नगर ग्राम पंचायत के प्रधान चंद्रभाल राजपूत, राजकुमार (राजू लाल), समाजसेवी नीतू वर्मा, अनूप बाजपेई, मटरू जायसवाल, लवी वर्मा, मनीष जायसवाल, वकील हाशमी, लवकुश राजपूत सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समर्थक उपस्थित रहे।

खैराबाद में हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

● समस्त विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को प्रथम वरीयता में पूरा करना हमारा संकल्पः- अखिलेश प्रताप सिंह

स्वतंत्र प्रभात

खैराबाद सीतापुर स्थानीय ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद में जनपद स्तरीय एक दिवसीय हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के सभी 19 ब्लॉकों तथा नगर क्षेत्र से उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 100 लोगों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रत्येक ब्लॉक से पांच पांच प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें एक नोडल शिक्षक,एक नोडल संकुल शिक्षक, एक आंगन बाड़ी सुपर वाइजर,एक आंगन बाड़ी कार्यकर्ती एक ई सी सी ई एजुकेटर यानी प्रत्येक ब्लॉक से पांच प्रतिभागियों के हिसाब से 19 ब्लॉक तथा एक नगर क्षेत्र से कुल एक सौ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया । जिसमें खैराबाद ब्लॉक से नोडल शिक्षक के रूप में रितम मिश्रा प्राथमिक विद्यालय सरैया चौकी नोडल शिक्षक तथा नोडल संकुल शिक्षक के लिए काज़िम हुसैन, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर समीक्षा मिश्रा ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ती सोनिका तथा ई सी सी ई एजुकेटर प्राथमिक विद्यालय सरैया सानी की अदिति मिश्रा ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में मुख्य रूप से आर्य कुमार दीक्षित जिला समन्वयक प्रशिक्षण समग्र शिक्षा,एस आर जी आलोक श्रीवास्तव,करुणेश मिश्र, ई सी सी ई एजुकेटर नोडल एस आर जी मदनेश मिश्र, डायट प्रवक्ता अमित कुमार ने संबोधित किया तथा सभी की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण भी किया गया। इस अवसर पर सभी उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र, मोमेंटो तथा ज़िला अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार एक सिंगल बेड की दरी सभी को उपहार में दी गई। उक्त कार्यक्रम में बाल विकास पुष्टाहार विभाग के अधिकारी कर्मचारी सी डी पी ओ के अलावा अन्य लोग भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग बहुत मेहनत से कार्य करते हैं तो आपको सम्मान मिलना अनिवार्य था वैसे आप शिक्षक हैं और आप स्वयं में ही सम्मानित हैं लेकिन उत्साह वर्धन के लिए यह आवश्यक है। श्री सिंह ने कहा कि विद्यालयों की समस्याओं को प्रथम वरीयता में हल करना हमारा संकल्प है, इसके बाद उत्साहित होकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय ने शिक्षकों के साथ खूब बातें की उनकी समस्याओं को सुना तथा फोटो ग्रुपिंग भी शिक्षकों ने करवाई। अंत में ज़िला समन्वयक प्रशिक्षण समग्र शिक्षा आर्य कुमार दीक्षित ने सभी का आभार व्यक्त किया। जबकि ब्लॉक खैराबाद के नोडल ए आर पी संजीव पटेरिया को भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मोमेंटो तथा उपहार देकर सम्मानित किया।इसी अवसर पर जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ खैराबाद ब्लॉक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष काज़िम हुसैन ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को अलविदा के अवकाश को करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सोने के आभूषण चोरी के मामले में 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार

● 4 सोने के कंगन बरामद

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के गाज़ीपुर थाने की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घर से सोने के आभूषण चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी सह-आरोपी (जो फरार है) की मदद से शिकायतकर्ता के घर से 04 सोने के कंगन, 02 सोने की झुमकियाँ और 01 सोने का मंगलसूत्र चुराया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 04 सोने के कंगन बरामद कर लिए हैं, जबकि फरार महिला आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के के अनुसार, गाज़ीपुर थाना पुलिस टीम ने 11 मार्च को गुप्त सूचना के आधार पर हर्षित यादव (पुत्र वीरेन्द्र यादव, मूल निवासी ग्राम सतई पुरवा रानी बाजार, जनपद गोण्डा) को गिरफ्तार किया। हर्षित (उम्र करीब 19 वर्ष) वर्तमान में लखनऊ के सेक्टर-ई, थाना महानगर स्थित डी-27 किराए के मकान में रहता था। उसके कब्जे से 04 सोने के कंगन बरामद हुए हैं।

शिकायतकर्ता श्याम चन्द्र अवस्थी (पुत्र गणेश प्रसाद मानस विहार, सर्वोदय नगर, लखनऊ) ने 10 मार्च को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 9 जनवरी को उनके घर से 04 सोने के कंगन, 02 सोने की झुमकियाँ और 01 सोने का मंगलसूत्र चोरी हो गया था। चोरी का सामान चोर ने अपने दोस्त हर्षित यादव को दिया था, जो कई दिनों से सामान वापस करने से टाल रहा था। शिकायत पर थाना गाज़ीपुर में मुकदमा बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। बाद में धारा 61(2)/317(2) बीएनएस भी जोड़ दी गई। गिरफ्तार आरोपी हर्षित यादव ने पूछताछ में खुलासा किया कि करीब दो महीने पहले उसकी जानकार सृष्टि दुबे उर्फ वैश्नवी दुबे (जो शिकायतकर्ता श्याम चन्द्र अवस्थी के ही मोहल्ले में रहती है) ने उसे घर में सोने के आभूषण होने की जानकारी दी। दोनों ने मिलकर चोरी की योजना बनाई। उस दिन श्याम चन्द्र के घर में कोई नहीं था। सृष्टि दुबे ने घर से सामान चुराकर हर्षित को सौंपा। हर्षित के पास 04 कंगन और 01 मंगलसूत्र आया, जबकि सृष्टि दुबे ने 02 झुमकियाँ अपने पास रख लीं। हर्षित ने मंगलसूत्र रास्ते में चलते व्यक्ति को बेच दिया। पुलिस अब फरार सृष्टि दुबे की तलाश कर रही है। आरोपी हर्षित यादव के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस आयुक्त लखनऊ ने इस सफल कार्रवाई के लिए टीम की सराहना की है और आमजन से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सतर्क रहें। मामले की आगे की जांच जारी है।

उचित दर दुकानों पर होगा केरोसीन तेल का अस्थायी आवंटन

भू- राजनीतिक संकट के बीच केंद्र सरकार का त्वरित कदमः सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल का अस्थायी आवंटन

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल का अस्थायी आवंटन घोषित किया है। यह फैसला 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए है और राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को संकट से निपटने के लिए अतिरिक्त मात्रा उपलब्ध कराएगा। कर्तव्य भवन, नई दिल्ली से जारी इस आधिकारिक पत्र में स्पष्ट किया गया है कि विश्व स्तर पर चल रही भू-राजनीतिक स्थिति ऊर्जा आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। मंत्रालय ने इन उभरते जोखिमों को कम करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल का अस्थायी आवंटन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अनुबंध के अनुसार करने का निर्णय लिया है। यह आवंटन खाना पकाने और प्रकाश व्यवस्था के लिए होगा। पत्र में कहा गया है, 'वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, जो विश्व स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर रही है, इन उभरते जोखिमों को कम करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल का अस्थायी आवंटन राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को अनुबंध के अनुसार करने का निर्णय लिया गया है।' यह पत्र पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के महानिदेशक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव (सभी राज्यों को) तथा तेल विपणन कंपनियों के राज्य स्तरीय समन्वयकों को संबोधित है।

संकट का संदर्भः हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

वर्तमान में पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण हॉर्मुज जलडमरूमध्य से तेल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित हो रही है। यह मार्ग वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत और भारत के आयात का प्रमुख हिस्सा संभालता है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत ने आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए हैं, रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है और उपभोक्ताओं से ऊर्जा बचाने की अपील की है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है। इस संकट में एलपीजी की कमी से लाखों घरेलू उपभोक्ता प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल का अस्थायी आवंटन वैकल्पिक ईंधन के रूप में राहत प्रदान करेगा, खासकर उन राज्यों में जहां अभी भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केरोसीन तेल का वितरण जारी है। ध्यान दें कि 21 राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश पहले ही केरोसीन तेल-मुक्त हो चुके हैं और नई नीति के तहत आवंटन केवल उच्चतम उपयोग मात्रा के आधार पर किया जा रहा है। केरल जैसे राज्य में इस वर्ष आवंटन में 319 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आवंटन की शर्तें और दिशा-निर्देश

मंत्रालय ने आवंटन को चार प्रमुख शर्तों के अधीन रखा है:

1. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल को उचित मूल्य दुकान या सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के खुदरा आउटलेट के माध्यम से वितरित किया जाएगा। केरोसीन तेल-मुक्त राज्यों में राज्य तेल विपणन कंपनियों के साथ परामर्श से वितरण का तरीका तय करेंगे।

2. वितरण का पैमाना और मानदंड राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश तय करेंगे।

3. राज्य सरकारें सुनिश्चित करेंगी कि आवंटित श्रेष्ठ केरोसीन तेल पेट्रोल या डीजल में मिलावट या अन्य अनपेक्षित उपयोग के लिए न डायवर्ट किया जाए।

4. ग्रामीण घरों को श्रेष्ठ केरोसीन तेल आवंटन में प्राथमिकता दी जाए।

राज्यों को आवंटन की पूरी मात्रा 45 दिनों के भीतर उठानी होगी। कोई भी अनउठी मात्रा अगले वर्ष ले जाने की अनुमति नहीं होगी। कीमत निर्धारण में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल का महत्व और पृष्ठभूमि

श्रेष्ठ केरोसीन तेल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीब और ग्रामीण परिवारों को सस्ते दामों पर उपलब्ध कराया जाता है। यह मुख्यतः रसोई और लैंप के लिए उपयोग होता है। केंद्र सरकार ने प्रदूषणकारी प्रभाव को देखते हुए आवंटन को तर्कसंगत बनाया है, लेकिन केरोसीन के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के तहत कई राज्यों ने स्वेच्छा से आवंटन छोड़ दिया। नई नीति के तहत अब अलग-अलग श्रेणियां नहीं हैं। एक ही श्रेष्ठ केरोसीन तेल श्रेणी में आवंटन होता है। पिछले वर्षों में कुल केरोसीन तेल खपत में गिरावट आई है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में यह अभी भी महत्वपूर्ण है। सरकार स्वच्छ ईंधन की ओर बढ़ रही है, लेकिन संकट के समय सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत श्रेष्ठ केरोसीन तेल बैकअप के रूप में काम आएगा।

प्रभाव और राज्य स्तर की तैयारियां

यह आवंटन उन राज्यों के लिए विशेष राहत होगा जहां सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केरोसीन तेल अभी भी सक्रिय है। राज्य सरकारें अब वितरण की रूपरेखा तय करेंगी और ग्रामीण घरों को प्राथमिकता देंगे। मंत्रालय ने तेल विपणन कंपनियों के समन्वय से सुनिश्चित किया है कि आपूर्ति निर्बाध रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार और विविध आयात स्रोतों के बावजूद हॉर्मुज जलडमरूमध्य संकट ने तत्काल उपायों की जरूरत पैदा की है। कोई मूल्य वृद्धि न होने से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। यह पत्र आज जारी होने के साथ ही विभिन्न राज्य सरकारें और तेल विपणन कंपनियां इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह अस्थायी व्यवस्था है और संकट समाप्त होने पर सामान्य नीति लागू रहेगी। सरकार का संदेश स्पष्ट है: ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता है। भू-राजनीतिक तूफान में भी आम नागरिक की रसोई जलती रहे, यही इस अस्थायी आवंटन का उद्देश्य है।

भक्ति के रंग में रंगा निगोहां: श्रीमद भागवत कथा में उमड़ा जनसैलाब, राम-कृष्ण की लीलाओं ने मोह लिया मन

● .....आचार्य दुर्गेश अवस्थी ने प्रभु राम के आदर्शों और श्रीकृष्ण के प्राकट्य का किया जीवंत वर्णन, ध्रुव चरित्र की कथा सुनकर भावुक हुए श्रद्धालु।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी के निगोहां क्षेत्र में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर आस्था का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। जैसे-जैसे कथा आगे बढ़ रही है, श्रद्धालुओं की श्रद्धा और उत्साह भी परवान चढ़ रहा है। गुरुवार को कथा स्थल पर सुबह से ही भक्तों का तांता लग गया, जिससे पूरा पंडाल छोटा नजर आने लगा। 'जय श्री राम' और 'नंद के आनंद भयो' के जयकारों के साथ समूचा वातावरण भक्तिमय और दिव्य हो गया।

मर्यादा पुरुषोत्तम का जीवन और आदर्श.....

कथा के मुख्य वक्ता आचार्य दुर्गेश अवस्थी ने अपनी ओजस्वी और मधुर वाणी से भगवान श्रीराम के जन्म का प्रसंग सुनाया। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे अयोध्या में प्रभु के आगमन से खुशियां छा गई। आचार्य ने महर्षि वशिष्ठ द्वारा राम जी को दी गई शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति, धर्म, सत्य और मर्यादा का जो पाठ प्रभु ने अपने जीवन से पढ़ाया, वह आज के समय में भी प्रासंगिक है। जब सीता-राम विवाह का प्रसंग सुनाया गया, तो श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे।

श्रीकृष्ण जन्म और असुरराज कंस का अहंकार.....

कथा के अगले चरण में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य की कथा सुनाई गई। आचार्य ने कारागार में देवकी-वासुदेव के संघर्ष और कंस के अत्याचारों का वर्णन करते हुए बताया कि जब अधर्म बढ़ता है, तब ईश्वर का अवतार होता है। जैसे ही कृष्ण जन्म का प्रसंग आया, श्रद्धालु आनंदित हो उठे और नंदोत्सव जैसा माहौल बन गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान की लीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संसार को अहंकार और बुराई के अंत का संदेश देती है।

ध्रुव चरित्र और भक्ति की शक्ति.....

कथा के दौरान आचार्य ने बालक ध्रुव के प्रसंग के माध्यम से भक्तों को संकल्प की शक्ति समझाई। उन्होंने बताया कि मात्र पाँच वर्ष की आयु में ध्रुव ने अपनी अडिग भक्ति से परमात्मा को प्राप्त कर लिया, जो इस बात का प्रमाण है कि ईश्वर केवल सच्ची निष्ठा के भूखे हैं। इसके अतिरिक्त महाराज पृथु और चतुर्सन ऋषियों की कथाओं के माध्यम से भी धर्म और जीवन के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला गया।

भजन-कीर्तन के साथ हुआ समापन.....

कथा के अंत में आचार्य ने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से प्रभु की शरण में आता है, उसके जीवन के सभी कष्ट स्वतः समाप्त हो जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और युवाओं की भारी उपस्थिति रही। मधुर भजनों पर भक्त देर तक नृत्य करते रहे। आरती के पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया, जिसके साथ चौथे दिन की कथा का विश्राम हुआ।

संक्षिप्त खबरें

प्रयागराज में उपनिरीक्षक भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासन सतर्क

प्रयागराज। उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस/समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, जिलाधिकारी तथा पुलिस उपायुक्त नगर ने संयुक्त रूप से शहर के कई परीक्षा केन्द्रों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा और अभ्यर्थियों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित की गई। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से भी नियमों का पालन करने और शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा में सम्मिलित होने की अपील की।

भीटी गांव में घर पर चढ़कर फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तमंचा-कारतूस बरामद

प्रयागराज- थाना एयरपोर्ट पुलिस ने भीटी क्षेत्र में एक घर पर चढ़कर फायरिंग करने की घटना में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध देशी तमंचा, जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। वहीं घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार थाना एयरपोर्ट में दर्ज मुकदमा संख्या 26/2026 धारा 191(2), 109(1), 351(2) बीएनएस से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त रहमान पुत्र नूर अली निवासी असदुल्लापुर भीटी थाना एयरपोर्ट को मुखबिर की सूचना पर शनिवार को देवघाट रेलवे डाटपुल के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई गई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस .315 बोर तथा एक खोखा कारतूस .315 बोर बरामद किया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में धारा 3/27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध वर्ष 2025 में थाना धूमनगंज और थाना एयरपोर्ट में मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में दो मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई को थाना एयरपोर्ट की पुलिस टीम ने अंजाम दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

गोपीगंज। कोतवाली के झिलियापुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल धन्नू यादव 35 वर्ष की इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई।शुक्रवार को हादसे मे वह गंभीर रुप से घायल हो गए थे। लालापुर जंखाव निवासी धन्नू यादव अपनी बाइक से गोपीगंज ओवरब्रिज से होते हुए अमवा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान झिलिया पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग की उत्तरी लेन स्थित सर्विस रोड कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो जाने पर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया था।चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। जहा इलाज के दौरान मौत हो गई पोस्ट मार्टम के बाद शनिवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया, बताया जाता है कि घायल धन्नू यादव नगर की एक फर्नीचर की दुकान पर नौकरी करते थे।मृतक की पत्नी सुशीला देवी के साथ चार बेटी एक बेटा सीखा,कुमकुम, सौम्या, आंशी, समीर का रो रो कर हाल बेहाल रहा, पिता की पहले ही निधन हो गया था परिवार के इकलौता पुत्र की मौत से पूरा परिवार वृद्ध दादा जोखन यादव पर आ गया है।

प्रयागराज में प्रादेशिक सरस महोत्सव का भव्य शुभारंभ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले—एक करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- संगम नगरी में आयोजित प्रादेशिक सरस महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक संध्या में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आने वाले एक वर्ष में तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और एक करोड़ 'लखपति दीदी' तैयार करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरस महोत्सव जैसे आयोजनों से महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार मिलता है और उनकी आय में वृद्धि होती है। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया और महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुंचाने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर काम कर रहे हैं। इस अवसर पर गोरखपुर के सांसद व अभिनेता रवि किशन फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल, प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, विधान परिषद सदस्य केपी श्रीवास्तव और सुरेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। इसके अलावा विधायक दीपक पटेल और पियुष रंजन निषाद, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला व निर्मला पासवान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी लोगों का मन मोह लिया। प्रतिष्ठित कवयित्री एवं गायिका अनामिका जैन अंबर तथा प्रसिद्ध गायिका तृप्ति शाक्य ने अपने गीतों और प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सरस महोत्सव में विभिन्न जिलों से आए स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, परिधान और घरेलू उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। यह महोत्सव न केवल ग्रामीण उत्पादों को मंच प्रदान कर रहा है, बल्कि महिलाओं की उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को भी नई पहचान दे रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बड़ोखर पुलिस की कड़ी मेहनत से 48 घंटे के अंदर गायब लड़की बरामद

कोरांव प्रयागराज। कोराव थाना के बड़ोखर पुलिस चौकी के लखनपुर गांव 10 मार्च को दो नाबालिक लड़कियों को बड़ोखर चौकी प्रभारी प्रहलाद पाल ने अपनी पुलिस टीम के साथ कड़ी मशक्कत के बाद 48 घंटे के अंदर गायब लड़की को सकुशल बरामद कर लिया है और चौकी प्रभारी प्रहलाद पाल ने बताया कि एक लड़की वापस आ गई थी और दूसरी को हमारी टीम ने सकुशल बरामद कर मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है कुछ लोग मीडिया के माध्यम से भ्रामक खबरे वायरल कर पुलिस को बदनाम कर रहे हैं लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है जो भी लोग सलिप्त पाए जाते हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा।

रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने के विरोध में आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शनं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में आज आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने शहर के पत्थर गिरजाघर चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को आम जनता पर आर्थिक बोझ बताया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आप पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी का जीवन कठिन होता जा रहा है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल रही है। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विरोध जताया और गैस सिलेंडर की कीमतों को तुरंत कम करने की मांग की। इस दौरान पत्थर गिरजाघर चौराहे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कराया। आप नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी नहीं की गई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

Rahul Gandhi ने कांशी राम को किया याद, भड़कीं मायावती बोलीं-कांग्रेस की चाल से सतर्क रहें

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम के अनुयायियों और समर्थकों को कांग्रेस के प्रति 'सतर्क' रहने की सलाह देते हुए कहा कि कांग्रेस की दलित-विरोधी मानसिकता के कारण ही बसपा का गठन हुआ। मायावती ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने कभी भी भीमराव अंबेडकर को उचित सम्मान नहीं दिया और न ही कांशी राम के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित किया।

प्रयागराज में तैनात दरोगा जितेन्द्र यादव का निधन, पुलिस लाइन में दी गई अंतिम सलामी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के कर्नलगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक जितेन्द्र यादव (50) का शुक्रवार शाम इलाज के दौरान निधन हो गया। वह पिछले कई महीनों से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। शनिवार को पुलिस लाइन में उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उपनिरीक्षक जितेन्द्र यादव मूल रूप से कानपुर के बीबीपुर चकेरी क्षेत्र के निवासी थे। वह पिछले करीब तीन महीनों से लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और उनका लगातार इलाज चल रहा था। शुक्रवार शाम अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार इलाज के दौरान उनकी आहार नली फट गई, जिससे उनकी हालत तेजी से बिगड़ गई। काफी प्रयास के बावजूद चिकित्सक उन्हें बचा नहीं सके और देर शाम उनका निधन हो गया। शनिवार को प्रयागराज पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों और जवानों की मौजूदगी में उन्हें अंतिम सलामी दी गई। इस दौरान विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने नम आंखों से दिवंगत उपनिरीक्षक को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम सलामी के बाद पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक घर कानपुर भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि उपनिरीक्षक जितेन्द्र यादव अपने कर्तव्यनिष्ठ और मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनके असामयिक निधन से पुलिस महकमे में शोक का माहौल है। दिवंगत उपनिरीक्षक के परिवार में उनकी पत्नी ज्योति यादव और पुत्र कुनाल यादव हैं। परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

24 घंटे में टायर चोरी का खुलासा, 82 टायर व बोलेरो नियो बरामद; शातिर चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। थाना कौंधियारा व थाना घूरपुर की संयुक्त पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए टायर चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी के 82 छोटे-बड़े टायर तथा घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार थाना कौंधियारा क्षेत्र में 13 मार्च 2026 को जारी बाजार निवासी दिलीप कुमार केसरवानी ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी टायर की दुकान से अज्ञात चोर करीब 100 बाइक और ऑटो के टायर चोरी कर ले गए। चोरी हुए टायरों की कीमत लगभग पौने दो लाख रुपये बताई गई थी। इस संबंध में थाना कौंधियारा में मुकदमा संख्या 74/26 धारा 331(4)/305(a) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना कौंधियारा और थाना घूरपुर की संयुक्त पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार 14 मार्च 2026 को सड़वा क्षेत्र से अभियुक्त सर्वेश मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा (37) पुत्र विनोद मिश्रा निवासी ग्राम छीडी, थाना बारा, जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी के 82 विभिन्न कंपनियों के टायर तथा घटना में प्रयुक्त वाहन P72 BU9807 बोलेरो नियो बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में खुलासा- पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर टायर चोरी करता था। चोरी किए गए टायरों को बेचकर जो पैसे मिलते थे, उनसे वह अपने और परिवार के शौक पूरे करता था। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

शातिर अपराधी है आरोपी- गिरफ्तार आरोपी सर्वेश मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा के खिलाफ प्रयागराज के कई थानों में पहले से ही चोरी,

आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में लगभग 16 मुकदमे दर्ज हैं।

बरामदगी- पुलिस ने आरोपी के पास से 82 विभिन्न कंपनियों के टायर और घटना में प्रयुक्त एक बोलेरो नियो वाहन बरामद किया है।

पुलिस टीम- कार्रवाई करने वाली टीम में थाना कौंधियारा के थानाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, उपनिरीक्षक सुनील कुमार सिंह, कांस्टेबल आशीष सिंह, सूर्यकुमार, जवाहर लाल और राहुल यादव शामिल रहे। वहीं थाना घूरपुर से प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अमित यादव तथा कांस्टेबल अमित यादव ने भी कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई।

ऐतिहासिक रहा बरही का 'कृषि महोत्सव

● बरही-विजयपुर उद्वहन सिंचाई योजना से बदलेगी क्षेत्र की तकदीर- संजय पाठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही में आयोजित विशाल 'कृषि महोत्सव' को क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर बताते हुए विधायक संजय पाठक ने इसे अभूतपूर्व सफलता करार दिया है। विधायक पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस दौरे से क्षेत्र को 1000 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है, जिससे आने वाले समय में समूचे अंचल की तस्वीर बदल जाएगी।

जनसैलाब और विकास की सौगात, दो लाख से अधिक की उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। अनुमान के मुताबिक, लगभग 2 लाख लोगों ने इस महोत्सव में शिरकत की, जो क्षेत्र के प्रति जनता के भरोसे और उत्साह को दर्शाता है। सिंचाई योजना का उपहारः मुख्यमंत्री ने बरही-विजयपुर उद्वहन सिंचाई योजना सहित कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा और शिलान्यास किया। विधायक पाठक ने बताया कि इन योजनाओं से किसानों की हजारों एकड़ भूमि सिंचित होगी।

ऐतिहासिक स्वागत

बरही के इतिहास में यह पहला मौका था जब इतनी बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण एक साथ जुटे। मुख्यमंत्री ने भी क्षेत्र की

जनता के स्नेह को देखते हुए विकास की गति को और तेज करने का भरोसा दिया। पाठक विधायक ने कहा कि 'बरही की पावन धरा पर आज जो जनसमूह उमड़ा, उसने यह साबित कर दिया कि जनता को प्रदेश सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर पूरा विश्वास है। मुख्यमंत्री जी ने 1000 करोड़ की जो सौगातें दी हैं, वे केवल आंकड़े नहीं बल्कि लाखों परिवारों की खुशहाली का आधार हैं।

सम्राट अशोक महान के शिलालेखों की प्रतिकृतियों का लोकार्पण उप मुख्यमंत्री ने किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। सम्राट हर्षवर्धन बुद्ध विहार, अरैल, नैनी में आयोजित भव्य समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्राट अशोक महान के शिलालेखों की प्रतिकृतियों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की शुरुआत उपमुख्यमंत्री द्वारा बुद्धविहार परिसर के भ्रमण से हुई। इस दौरान उन्होंने उपसम्पदा सीमा बन्धन, सम्राट अशोक के शिलालेखों की प्रतिकृतियों, बोधिवृक्ष, स्तूप तथा भगवान बुद्ध की प्रतिमा (विहार की प्रथम प्रतिमा) का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने सम्राट अशोक महान एवं डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की प्रतिमाओं, भिक्षु महेन्द्र थेर एवं भिक्षुणी संघमित्रा से संबंधित स्थलों, कार्यालय तथा धम्माहाल का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्हें सम्राट हर्षवर्धन बुद्धविहार के भिक्खुसंघ का परिचय कराया गया। इसके पश्चात सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। भदन्त अग्गमहासद्धम जोतिकाधज वण्णधजा महाथेरो (म्यांमार) द्वारा तिसरण पंचशील का दान कराया गया, साथ में परम पूज्य भिक्खु नन्दरतन महाथेरो (कुशीनगर), भिक्खु देवानन्द वर्धन, भिक्खु मनीष वर्धन एवं भिक्खु नीतेश वर्धन उपस्थित थे, तिसरण पंचशील की याचना डॉ. जी. एस. शाक्य ने की। स्वागत समिति द्वारा मुख्य अतिथि का ससम्मान मंच पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर रणजीत सिंह, बृजेश कुमार, डॉ. जी. एस. शाक्य, विनोद विक्रम, सुवचन राम, लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा, डॉ. अशोक रंजन, शशिकान्त मौर्य, ओंकार वानखेडे, अजीत कुशवाहा तथा प्रांशु कुशवाहा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का बड़ी माला पहनाकर स्वागत लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा, राजेश कुमार कुशवाहा, महेन्द्र कुमार कुशवाहा, अजीत कुमार कुशवाहा, शशिकान्त मौर्य, प्रांशु कुशवाहा, उमाशंकर कुशवाहा, सुशील कुमार कुशवाहा एवै प्रणव सिंह ने किया। वहीं जयबहादुर मौर्य, रवि मौर्य, सुर्जीत कुशवाहा, राजीव कुशवाहा, डॉ. अशोक रंजन, निर्मल कुमार, ललित गौतम, नागेन्द्र चौधरी, जिया लाल कनौजिया, डॉ. राहल शाक्य, डॉ. शैलेन्द्र मौर्य, जे.आर. मौर्य, एस. एन. मौर्य तथा प्रयागराज के पूर्व उपमहापौर लल्लू लाल कुशवाहा ने माल्यार्पण कर उनका अभिनन्दन किया। महिलाओं की ओर से लालती शाक्य, डॉ. स्वीटी, विभा विक्रम, सौमा कुशवाहा, गीता कुशवाहा एवं अनीता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। संस्था के संरक्षक रणजीत सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। इसके बाद संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. जी. एस. शाक्य ने संस्था का परिचय देते हुए उसकी विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं धम्म संबंधी गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि मुख्य आयकर आयुक्त सुवचन राम ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बुद्ध के धम्म के आदर्श आज भी

समाज को नैतिकता, करुणा और शांति का मार्ग दिखाते हैं। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने उद्बोधन में भगवान बुद्ध को नमन करते हुए कहा कि भारत की पवित्र धरा भगवान बुद्ध की तपस्थली रही है। उन्होंने सारनाथ, कुशीनगर, बोधगया, श्रावस्ती तथा संकिसा जैसे बौद्ध तीर्थस्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार इन ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंनें कहा कि भगवान बुद्ध का धम्म मानवता, करुणा और शांति का संदेश देता है तथा इन मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा अनेक कार्य किए जा रहे हैं और भविष्य में भी इन प्रयासों को और आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सम्राट अशोक के शिलालेख भारतीय इतिहास और संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं, जो आज भी मानवता और नैतिक जीवन का संदेश देते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक बृजेश कुमार मौर्य ने की। अंत में संस्था के चेयरमैन विनोद विक्रम ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए। गार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

समदरिया स्कूल में 'पद्मश्री डॉ. सोमा घोष कल्चरल सेंटर' का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। संस्था हुडसा द्वारा संचालित समदरिया स्कूल दादूपुर में शनिवार को 'पद्मश्री डॉ. सोमा घोष कल्चरल सेंटर' का भव्य उद्घाटन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय गायिका पद्मश्री डॉ. सोमा घोष द्वारा दीप प्रज्वलन और वाद्य यंत्रों की विधिवत पूजा के साथ हुआ द्यपद्मश्री डॉ. घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारी प्राचीन धरोहर है और इसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने समदरिया स्कूल द्वारा स्थापित इस सांस्कृतिक केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों में संगीत के प्रति रुचि और आत्मविश्वास दोनों का विकास होगा।कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व कुलपति बीएचयू प्रो0 गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कला और संस्कृति का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संगीत और संस्कृति बच्चों के व्यक्तित्व को संवेदनशील और संतुलित बनाते हैं पूर्व अपर महाधिवक्ता नीरज त्रिपाठी ने संस्था के शिक्षा , संस्कृति, कला और विज्ञान के समन्वय को सराहा और प्रेरणादायी बताया वहीं, शिक्षक विधायक डॉ. बाबूलाल तिवारी ने भारतीय संस्कृति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सामंजस्य को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों द्वारा तैयार की गई विज्ञान प्रदर्शनी तथा अभिनव मॉडल ने सभी अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया द्य अतिथियों का स्वागत संस्था के निदेशक डॉ मणि शंकर द्विवेदी किया द्य कार्यक्रम का संचालन डॉ अम्बिका पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन दिनेश तिवारी ने किया द्य इस अवसर पर

पी के तिवारी, सुरेश त्रिपाठी, विनय शुक्ल , प्रभात शुक्ल नागेन्द्र पाण्डेय, सुभाष तिवारी, डॉ बबली द्विवेदी,एम पी सिंह, कादंबरी द्विवेदी,अभिषेक त्रिपाठी,राजेश शुक्ल, शोभनाथ शुक्ल, रामानन्द त्रिपाठी, डॉ प्रदीप शर्मा,जे पी चौबे, वी पी सिंह, रवि करन सिंह, सन्तोष शुक्ल, भगवत कुशवाहा, राकेश यादव, संजय विश्वकर्मा, रामअजोर पाल,हरनाम सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सत्येंद्र द्विवेदी, के डी यादव आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

नैनी क्षेत्र के जोन-5 की जनसमस्याओं को लेकर पार्षदों की बैठक

● नगर निगम व विद्युत विभाग के खिलाफ जताया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। जोन-5 नैनी नगर निगम के पार्षदों द्वारा नैनी क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर वार्ड नंबर 40 ददरी के पार्षद पवन पूजा यादव के आवास पर शुक्रवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सभी पार्षदों ने विस्तारित क्षेत्रों में नगर निगम द्वारा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराने के बावजूद अधिक बिल व नोटिस जारी कर आम नागरिकों को परेशान किए जाने का आरोप लगाया।पार्षदों ने कहा कि विस्तारित क्षेत्रों में नगर निगम द्वारा सड़क, नाली, खड़ंजा, विद्युत स्ट्रीट लाइट, कूड़ा उठाने की डोर-टू-डोर व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। इसके बावजूद नगर निगम लगातार गृहकर, जलकर और सीवर टैक्स की वसूली कर रहा

है। उन्होंने बताया कि यदि किसी नागरिक का गृहकर बिल 25 से 50 हजार रुपये तक हो जाता है तो नगर निगम द्वारा कुर्की का आदेश जारी कर घर पर ताला लगाने तक की कार्रवाई की जाती है, जिससे आम जनता परेशान है।पार्षदों ने यह भी कहा कि पूर्व में महापौर गणेश केसरवानी और नगर आयुक्त के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि जहां नगर निगम की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां गृहकर, जलकर और सीवर टैक्स नहीं लिया जाएगा। इसके बावजूद इस निर्णय का पालन नहीं किया जा रहा है।जहांगीराबाद के पार्षद रणविजय सिंह डब्बू एडवोकेट ने विद्युत विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में निजी ठेकेदार एजेंसियों द्वारा जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जिन घरों में पहले से सही मीटर चल रहे हैं, वहां भी अवर अभियंता और ठेकेदारों द्वारा बिजली काटकर स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को हर महीने अधिक बिजली बिल का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आम नागरिकों को विद्युत विभाग के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।बैठक में सभी पार्षदों ने निर्णय लिया कि 17 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे नगर निगम प्रयागराज में नगर आयुक्त और महापौर गणेश केसरवानी को ज्ञापन दिया जाएगा। इसके अलावा 18 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे जेल रोड पावर हाउस, टीएसएल पावर हाउस और रामपुर पावर हाउस में उपखंड अधिकारी का घेराव किया जाएगा।बैठक की अध्यक्षता कक्ष समिति अध्यक्ष एवं पार्षद राकेश जायसवाल ने की, जबकि संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा महानगर नरसिंह ने किया। इस अवसर पर प्रदीप महरा, मयंक यादव, धनरीश उर्फ मंचो सिंह, मुन्ना प्रधान, राजा भारती, पार्षदगण, पार्षद प्रतिनिधि तेंदुआवन आलोक कुमार एडवोकेट सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत मे एक लाख से अधिक वादों का निस्तारण

प्रतापगढ़। जनपद न्यायालय परिसर मे राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन प्रशासनिक न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान द्वारा वीणा वादिनी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशासनिक न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में आपसी सुलह समझौते से मुकदमों का निस्तारण लोक अदालत में करें,जिससे अधिक से अधिक वादकारियों को लाभ मिल सके।इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश राजीव कमल पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिकांश संख्या में वादों के निस्तारण से आम जनमानस को मुकदमों से छुटकारा मिलता है।कार्यक्रम का संयोजन व संचालन शाम्भवी द्वितीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं लोगो के प्रति आभार नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत अंकिता दुबे ने किया।इस अवसर पर पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण विजय पाल एवं प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय रीता गुप्ता व राम नारायण अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्ता संगठनों के पदाधिकारीगण,पैनल अधिवक्तागण,लीगल एड डिफेंस कार्उसिल एवं पीएलवीगण उपस्थित रहे।राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1 लाख 38 हजार 522 वादों का निस्तारण किया गया।जिनमें 4431 फौजदारी वाद,14 एनआई एक्ट,187 विद्युत वाद,41 मोटर दुर्घटना वाद,57 वैवाहिक वाद, 37 सिविल वाद,981 बैंक ऋण,4 बीएसएनएल वाद,3 स्थायी लोक अदालत, प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 131772 मामले एवं यातायात कार्यालय द्वारा 1570 वादों का निस्तारण किया।उपरोक्त प्रकरणों के अन्तर्गत फौजदारी वादों में 106490 रूपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया,मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति वादों में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के अधिकारी विजय पाल द्वारा कुल 41 मामलो मे विपक्षी बीमा कम्पनियों से पीड़ित याचीगण को रूपये 2 करोड़ 72 लाख 24 हजार का प्रतिकर दिलाया गया,बैंको के बकाया ऋण के 981 मामलों में बैंक एवं बकाएदारों के मध्य 60386905 रूपये एवं बीएसएनएल वादों में कुल रूपया 7550 का समझौता हुआ।परिवार न्यायालय द्वारा 57 वैवाहिक मामलों का निस्तारण कराया,जिसमें कुल 21 जोड़ों को आपसी सुलह समझौते के आधार पर विदाई कराई गई।